

खुदरा मुद्रास्फीति में प्रमुख रुझान और चुनौतियाँ

प्रलम्ब के लिये:

खुदरा मुद्रास्फीति, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI), खाद्य मुद्रास्फीति, उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (CFPI), खरीफ, रबी, कोर मुद्रास्फीति, रुपए का मूल्यह्रास, आयातति मुद्रास्फीति, वदेशी नविश, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), करय शक्ति, औद्योगिक श्रमिकों के लिये CPI (CPI-IW), कृषि मजदूरों के लिये CPI (CPI-AL), ग्रामीण मजदूरों के लिये CPI (CPI-RL), शहरी गैर-शारीरिक कर्मचारियों के लिये उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-UNME), खाद्य और कृषि संगठन।

मेन्स के लिये:

मुद्रास्फीति और संबंधित चिंताओं को कम करना, मौद्रिक नीति और मुद्रास्फीति प्रबंधन।

स्रोत: बीएस

चर्चा में क्यों?

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति, खाद्य मुद्रास्फीति में कमी के कारण, नवंबर 2024 में 5.48% से घटकर दिसंबर 2024 में 5.22% हो गई।

- खुदरा मुद्रास्फीति उस दर को मापती है जिस पर उपभोक्ताओं द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें समय के साथ बढ़ती हैं, जो जीवन-यापन की लागत में परिवर्तन को दर्शाती है।

खुदरा मुद्रास्फीति में कमी के क्या कारण हैं?

- कम खाद्य मुद्रास्फीति: उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (CFPI) द्वारा मूल्यांकित खाद्य मुद्रास्फीति, नवंबर 2024 में 9.04% से घटकर दिसंबर 2024 में 8.39% हो गई।
- सकारात्मक कृषि उत्पादन: अच्छी खरीफ फसल, अनुकूल रबी बुवाई की स्थिति और पर्याप्त जलाशय स्तर ने खाद्य मुद्रास्फीति को कम कर दिया।
- ईंधन की कीमतों में गिरावट: ईंधन की कीमतों में मुद्रास्फीति -1.39% पर संकुचन में रही, जबकि परिवहन (2.64%) और शक्ति (3.89%) के लिये यह अपरिवर्तित रही, जिससे समग्र मुद्रास्फीति दिबाव में कमी आई।
 - कोर मुद्रास्फीति, जिसमें अस्थिर खाद्य और ईंधन वस्तुएँ शामिल नहीं हैं, दिसंबर 2024 में घटकर 3.5% हो गई।
- गैर-खाद्य श्रेणियों में स्थिरता: आवास (2.71%), वस्त्र एवं जूते (2.74%) तथा घरेलू सामान (2.75%) में मुद्रास्फीति मामूली परिवर्तन के साथ स्थिर रही।

मुद्रास्फीति से संबंधित चिंताएँ क्या हैं?

- RBI के लक्ष्य से अधिक मुद्रास्फीति: सात राज्यों में RBI की 6% सीमा से अधिक मुद्रास्फीति दर्ज की गई, जबकि दस राज्यों में राष्ट्रीय औसत से अधिक मुद्रास्फीति दर्ज की गई।
 - छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक 7.63% मुद्रास्फीति दर्ज की गई, जिसके बाद बिहार (7.4%) और ओडिशा (7%) का स्थान रहा, जो स्थानीय मुद्रास्फीति चुनौतियों को दर्शाता है।
- आयातति मुद्रास्फीति: रुपए के मूल्यह्रास से आयातति कच्चे तेल और वैश्विक वस्तुओं की लागत बढ़ जाती है, जिससे घरेलू कीमतें बढ़ जाती हैं और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना कठिन हो जाता है।
 - खाद्य तेलों जैसी आयातति वस्तुओं पर निर्भरता के कारण भारत को वैश्विक मूल्य अस्थिरता का सामना करना पड़ता है।
 - रुपए के मूल्य पर पड़ने वाले प्रभाव से आयात की कीमतें बढ़ जाती हैं, क्योंकि समान मात्रा में आयातति वस्तुओं को खरीदने के लिये अधिक रुपए की आवश्यकता होती है।

- **उच्च वैश्विक ब्याज दरें:** उच्च वैश्विक ब्याज दरें भारत में **वदिशी नविश** को बाधति कर सकती हैं, जसिसे **वत्तीय स्थरिता प्रभावति होगी तथा मुद्रा अवमूलयन की स्थिति और खराब होगी**।
 - इससे नविशक अपनी पूंजी **अमेरिका और यूरोप जैसे देशों की ओर स्थानांतरति कर सकते हैं**, जहाँ **उच्च प्रतफिल** मलिता है, जसिसे भारत जैसे उभरते बाजारों में वदिशी नविश का प्रवाह कम हो जाता है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक क्या है?

- **परचिय:** CPI 2012 को आधार वर्ष मानकर समय के साथ वस्तुओं और सेवाओं के वविधि समूह के आधार पर उपभोक्ता कीमतों में समग्र परिवर्तन को मापता है।
 - वस्तुओं की इस शृंखला में **भोजन, वस्त्र, परिवहन, चकितिसा, वदियुत, शकिसा** आदी शामिल हैं।
 - CPI को **सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI)** के तहत **राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO)** द्वारा मासिक रूप से प्रकाशित किया जाता है।
- **उद्देश्य:** CPI का उपयोग **मूल्य स्थरिता को लक्षति करने, महंगाई भत्ते को समायोजति करने तथा जीवन-यापन की लागत, करय शकति** और वस्तुओं एवं सेवाओं की लागत निर्धारति करने के लिये किया जाता है।
- **गणना:** CPI की गणना **एक चालू वर्ष में नश्चिति वस्तुओं और सेवाओं की लागत को आधार वर्ष** की लागत से वभिजति करके फरि 100 से गुणा करके की जाती है।
- **प्रकार:** CPI माप के चार अलग-अलग प्रकार हैं।
 - **औद्योगिकि शर्मकिों के लिये CPI (CPI-IW):** यह समय के साथ **औद्योगिकि शर्मकिों** द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के एक वविधि समूह में मूल्य परिवर्तनों को ट्रैक करता है। **शर्म और रोजगार मंत्रालय के तहत शर्म ब्यूरो CPI-IW संकलति करता है।**
 - **कृषिभजदूरों के लिये CPI (CPI-AL):** शर्म ब्यूरो वभिनिन राज्यों में कृषिभजदूरों के लिये न्यूनतम मजदूरी को संशोधति करने में सहायता के लिये **CPI-AL** संकलति करता है।
 - **ग्रामीण मजदूरों के लिये CPI (CPI-RL):** यह कृषि और ग्रामीण मजदूरों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं की खुदरा कीमतों में परिवर्तन को मापता है।
 - शर्म ब्यूरो **CPI-RL** संकलति करता है।
 - **शहरी गैर-शारीरिकि कर्मचारियों के लिये CPI (CPI-UNME):** **CPI-UNME** को **NSO** द्वारा संकलति किया जाता है। एक शहरी गैर-शारीरिकि कर्मचारी शहरी गैर-कृषि क्षेत्र में **गैर-शारीरिकि कार्य** से अपनी आय का **50% या उससे अधिकि कमाता है।**
- **घटक:** **CPI के प्राथमिकि घटक** (उनके भार सहति) नमिनलखिति हैं।
 - **खाद्य एवं पेय (45.86%)**
 - **आवास (10.07%)**
 - **ईधन और प्रकाश (6.84%)**
 - **कपड़े और जूते (6.53%)**
 - **पान, तम्बाकू और नशीले पदार्थ (2.38%)**
 - **वविधि (28.32%)**

उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक

- **परचिय:** उपभोक्ता **खाद्य मूल्य सूचकांक (CFPI)** एक आधार वर्ष के संदर्भ में किसी नश्चिति क्षेत्र में एक निर्धारति जनसंख्या समूह द्वारा उपभोग किये जाने वाले **खाद्य उत्पादों के खुदरा मूल्यों में परिवर्तन** का एक माप है।
 - वर्तमान में प्रयुक्त **आधार वर्ष 2012** है।
- **जारी करने वाली संस्था:** **NSO, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने मई, 2014 से अखलि भारतीय आधार पर तीन श्रेणियों अर्थात ग्रामीण, शहरी और संयुक्त के लिये CFPI जारी करना शुरू कर दिया।**
 - CPI की तरह CFPI की गणना भी **मासिकि आधार पर** की जाती है।

मुद्रास्फीति और इससे संबंधित पद

मुद्रास्फीति

- वस्तुओं/सेवाओं की कीमतों में वृद्धि; क्रय शक्ति में तदनुसार गिरावट
- रेंगती हुई मुद्रास्फीति (Creeping Inflation):** हल्की/मध्यम मुद्रास्फीति जहाँ मूल्य स्तर, एक निश्चित अवधि में लगातार कम दर (एकल अंकीय मुद्रास्फीति दर) पर बढ़ता है।
- कूदती हुई मुद्रास्फीति (Galloping Inflation):** यह तब होती है जब निम्न मुद्रास्फीति को नियंत्रित नहीं किया जाता है (मुद्रास्फीति दोहर/तिहरे अंकों में - 20/100/200% वार्षिक)
- अति मुद्रास्फीति (Hyperinflation):** कीमतें सालाना मिलियन या यहाँ तक कि एक ट्रिलियन प्रतिशत तक बढ़ जाती हैं (1920 के दशक में जर्मनी में देखी गई)

कोर मुद्रास्फीति

- वस्तुओं/सेवाओं की कीमत में परिवर्तन लेकिन खाद्य/ऊर्जा क्षेत्रों को छोड़कर (कीमतों में अस्थिरता के कारण)

हेडलाइन मुद्रास्फीति

- टोकरी में सभी वस्तुओं के मूल्य में परिवर्तन (खाद्य और ऊर्जा सहित)

कोर = हेडलाइन - खाद्य एवं ईंधन सामग्री

स्टैगफ्लेशन

- जब मुद्रास्फीति, बेरोज़गारी और आर्थिक स्थिरता/मंदी एक साथ होती है; इस प्रकार की मुद्रास्फीति का प्रबंधन करना सबसे कठिन होता है
- 1970 के दशक (अमेरिका, ब्रिटेन) में विकसित देशों द्वारा इस स्थिति का सामना किया गया जब विश्व में तेल की कीमतें नाटकीय रूप से बढ़ीं

अपस्फीति

- मुद्रास्फीति का प्रतिलोम -** वस्तुओं/सेवाओं की कीमत में निरंतर गिरावट
- यहाँ, वार्षिक मुद्रास्फीति दर 0% से नीचे गिर जाती है जिसके परिणामस्वरूप मुद्रा के वास्तविक मूल्य में वृद्धि होती है (जापान को 1990 के दशक में लगभग एक दशक तक इसका सामना करना पड़ा)
- यह मंदी/अवसाद में तब्दील हो सकता है, इसलिए यह मुद्रास्फीति से भी अधिक खतरनाक है

अवस्फीति

- जब मुद्रास्फीति की दर कम हो जाती है
- इसका तात्पर्य यह है कि कीमतें प्रत्येक महीने के साथ धीमी गति से बढ़ रही हैं (मुद्रास्फीति हो रही है)

अपस्फीति कीमतों में गिरावट है, जबकि अवस्फीति मुद्रास्फीति दर में गिरावट है



मुद्रा संस्फीति

- आमतौर पर अपस्फीति का अनुसरण होता है
- नीति निर्माता मुद्रास्फीति (अधिक सरकारी खर्च, कम व्याज दरें आदि) उत्पन्न करके आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करते हैं।

स्वयंप्लेशन

- इस स्थिति में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में मुद्रास्फीति की विषमता देखने को मिलती है; कुछ क्षेत्रों को भारी मुद्रास्फीति का सामना करना पड़ता है, जबकि कुछ क्षेत्रों में मुद्रास्फीति की अनुपस्थिति देखने को मिलती है और कुछ क्षेत्रों को अपस्फीति का भी सामना करना पड़ रहा है

ग्रीडप्लेशन

- वह स्थिति जहाँ (कॉपीट) लालक मुद्रास्फीति को बढ़ावा देता है; कंपनियाँ लाभ को अधिकतम करने के लिए लागत से परे अपनी कीमतें बढ़ाती हैं

श्रृंकप्लेशन

- यह छिपी हुई मुद्रास्फीति का एक रूप है। इससे अक्सर ग्राहकों को निराशा/असंतोष होता है
- श्रृंकप्लेशन किसी उत्पाद के स्टिकर मूल्य को बनाए रखते हुए उसके आकार को कम करने की प्रवृत्ति है।



नोट: FAO खाद्य मूल्य सूचकांक: वैश्विक स्तर पर, खाद्य मूल्य सूचकांक संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा मासिक आधार पर जारी किया जाता है।

- खाद्य वस्तुओं की टोकरी में 5 वस्तु समूह मूल्य सूचकांक (अनाज, वनस्पति तेल, डेयरी, मांस और चीनी) का औसत शामिल है, जिसे 2002-2004 के लिये प्रत्येक समूह के औसत नरियात हस्सिसे के साथ भारत कथिा गया है।

मौद्रिक नीति समिति

Monetary Policy Committee

मौद्रिक नीति समिति

★ प्राधिकरण:

- ★ भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, **1934** के तहत मौद्रिक नीति के निर्माण हेतु अधिकृत है।

★ उद्देश्य:

- ★ मूल्य स्थिरता और स्थिर विदेशी मुद्रा मूल्यों को सुनिश्चित करने के लिये मुद्रास्फीति या ब्याज दरों को समायोजित करना।

मौद्रिक नीति समिति (MPC)

★ कानूनी ढाँचा:

- ★ संशोधित आरबीआई अधिनियम, **1934** की धारा **45ZB** के तहत।
 - ❖ केंद्र सरकार को छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (**MPC**) का गठन करने का अधिकार है।
- ★ **MPC** को वर्ष में कम-से-कम चार बार बैठक करनी होती है। **MPC** के प्रत्येक सदस्य के पास एक वोट होता है, और वोटों की समानता की स्थिति में गवर्नर के पास दूसरा या निर्णायक वोट होता है।

संघटन

- ★ आरबीआई गवर्नर इसके पदेन अध्यक्ष के रूप में।
- ★ मौद्रिक नीति के प्रभारी उप गवर्नर।
- ★ केंद्रीय बोर्ड द्वारा नामित किया जाने वाला बैंक का एक अधिकारी।
- ★ केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किये जाने वाले तीन व्यक्ति।

कार्य

- ★ मौद्रिक नीति समिति रेपो दर निर्धारित करती है।
 - ❖ यह वह दर है, जिस पर आरबीआई वाणिज्यिक बैंकों को प्रतिभूतियाँ खरीदकर उधार देता है।
 - ❖ यह अर्थव्यवस्था में अन्य सभी ब्याज दरों के लिये एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करती है।
- ★ हर छह महीने में एक बार **RBI** को मुद्रास्फीति के स्रोतों और **6-18** महीनों की अवधि के लिये मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान की व्याख्या करने हेतु 'मौद्रिक नीति रिपोर्ट' नामक एक दस्तावेज प्रकाशित करने की आवश्यकता होती है।

नबिर्करष:

- दसिंबर, 2024 में भारत में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर **5.22%** हो गई है, जिसका कारण खाद्य मुद्रास्फीति में कमी और गैर-खाद्य श्रेणियों के स्थिर रहना है। हालाँकि, स्थानीय मुद्रास्फीति, रुपए में गरिावट और उच्च वैश्विक ब्याज दरों के कारण चर्िताएँ बनी हुई हैं, जो घरेलू मुद्रास्फीति नियंत्रण और विदेशी निविश को प्रभावति कर सकती हैं।

दृष्टिमुख्य परीक्षा परश्न:

प्रश्न: मौद्रिक नीतिको आकार प्रदान करने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) की भूमिका और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न

??????:

प्रश्न: नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये: (2020)

1. खाद्य वस्तुओं का 'उपभोक्ता मूल्य सूचकांक' (CPI) भार (Wegitage) उनके 'थोक मूल्य सूचकांक' (WPI) में दिये गए भार से अधिक है।
2. WPI, सेवाओं के मूल्यों में होने वाले परिवर्तनों को शामिल नहीं करता है, जैसा कि CPI करता है।
3. भारतीय रज़िर्व बैंक ने अब मुद्रास्फीति के मुख्य मान तथा प्रमुख नीतगित दरों के नरिधारण हेतु WPI को अपना लिया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न. यदि भारतीय रज़िर्व बैंक एक वसितारवादी मौद्रिक नीति अपनाने का नरिणय लेता है, तो वह नमिनलखिति में से क्या नहीं करेगा? (2020)

1. वैधानिक तरलता अनुपात में कटौती और अनुकूलन
2. सीमांत स्थायी सुवधि दर में बढ़ोतरी
3. बैंक रेट और रेपो रेट में कटौती

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

??????:

Q. संभावति सकल घरेलू उत्पाद (GDP) क्या है। इसके नरिधारकों की चर्चा कीजिये। उन कारकों का भी उल्लेख कीजिये जो भारत को अपनी संभावति सकल घरेलू उत्पाद प्राप्त करने में बाधा डालते हैं। (2020)

Q. क्या आप इस मत से सहमत हैं कि स्थिर सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) की स्थायी संवृद्धि तथा नमिन मुद्रास्फीति ने भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है? अपने तर्कों के समर्थन में कारण दीजिये। (2019)